

Social Research

Definition:- समाजिक अनुसन्धान का चर्चा करने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि अनुसन्धान कितने प्रकार के होते हैं।

अनुसन्धान एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके सांख्यिक या असांख्यिक समस्या को समाधान निकालने का प्रयास किया जाता है। अनुसन्धान में नया तथ्य, सिद्धांत, विधि या वस्तु की खोज की जाती है तथा प्राचीन तथ्य में परिवर्तन किया जाता है। यह एक वस्तुनिष्ठ, तथा सुव्यवस्थित प्रक्रिया है।

मनुष्य आरम्भ से ही एक जिज्ञासु प्राणी रहा है। अपने चारों ओर के संसार के बारे में उसे आरम्भ से अपने-आप के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करता रहा है। परन्तु इसमें विवक्षित तथा प्रमाणिकता का अभाव था। आज मनुष्य ने व्यवस्थित ढंग से ज्ञान का संचरण आरम्भ कर लिया है यह अनुसन्धान का आरम्भ है। समाजिक समस्याओं से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने मनुष्य एक व्यवस्थित और क्रमबद्ध रूप से नकली समस्या का अध्ययन करता है ताकि इसे सामाजिक अनुसन्धान कहा जाता है। विद्वानों ने इस विषय में प्रकाश परिलक्षित किया है।

C.A. Moore के अनुसार "समाजिक प्रणालियों एवं समस्याओं के सम्बन्ध में नवीन ज्ञान प्राप्त करने की लक्ष्य की राई - व्यवस्थित ढंग की खोज को ही समाजिक अनुसन्धान कहा जाता है।"

Bogardus के अनुसार "एक साधक होने वाले लोगों के जीवन में प्रयोगिक अनुसन्धान प्रणालियों की खोज करना ही समाजिक अनुसन्धान है।"

P.V. Young के अनुसार समाज

अनुसन्धान की इसे वैज्ञानिक प्रयत्न के रूप में
परिभाषित किया जा सकता है जिसका उद्देश्य
नामिक और क्रमबद्ध परिभाषों के द्वारा नये तथ्यों
का अन्वेषण तथा बुरी तथ्यों की पहचान एवं
संशोधन, उसके क्रमों, पारस्परिक सम्बन्धों, कार्य
कारण की व्याख्या तथा उन्हें संशोधित करने वाले
स्वाभाविक सिद्धांतों का अन्वेषण करना है।

वैसा प्रकार यह स्पष्ट है कि समाज
अनुसन्धान का उद्देश्य वैज्ञानिक परिभाषों के
उपयोग और समाजिक व्यवस्थाओं का संशोधन
से सम्बन्धित करना है समाजिक अनुसन्धान
में वैज्ञानिक उपकरणों की भी उपयोग में
लाया जाता है इसके माध्यम से नवीन ज्ञान
का सृजन किया जाता है समाजिक
अनुसन्धान विभिन्न समाजिक व्यवस्थाओं में
नामिक कार्य-कारण के सम्बन्ध को ज्ञान करता
है नये तथ्यों की खोज तथा पुराने
तथ्यों का पुनर्विचार किया जाता है
और इसे के माध्यम से प्राप्त निष्कर्षों
के माध्यम से समाज में सुधार करने का
भी कार्य किया जाता है